

DPN 5907

Title: गुरु मण्डल व पयताया बोल GURU MANḌALA VA PAṂYATAH YABOLA

Run. No. 6598

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि व वाद्यबोली

Religion: Hindu / Bauddha

Ritual & Instrumental music notation

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / नेपालभाषा निर्देशन

Size in cms. 18 X 7.5

Folios 20

Lines (in a page) 5

New direction

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य
Phanindra Ratna vajra-
charya

5

Handwritten text in Devanagari script on aged, stained paper. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The paper is heavily discolored and shows signs of wear and tear.

निलासं वनिताकारं यथा इति गतिरूपं कर्तव्यं यथा इति कर्तव्यं

२३० श्री स्वाहा कायं दिव्य धनं स्वाहा ॥

ॐ नमः श्रीवज्रसत्त्वाय ॥ ॐ नमः सर्वविघ्नान्नाशनयहं ॥ ॐ नमः
 श्रीगवतययकवाजाय रुथगताया हंससम्यक्वद्वय ॥ रुथथा ॥
 ॐ यय २ महाययसुयय यसय संरुवपय्या हवयय्यावकिरह स्वाहा
 ॥ ॐ श्री हं वं वं शादक हं स्वाहा ॥ लख स्वधनयाय ॥ रुथा हिजा रुमाने
 मनायि नासर्व रुथाग रुथा हं स्नाय वं व्यामि शुद्धं दिव्य नवाविधा

ॐ आ ४ सर्व कथा गत अहिष्कसमधि य हूँ ॥ ॥ हान न स वा क
या य य ज्ञा रु ल थियं ॥ ॥ ॐ आ ४ हूँ कि वं जा आ स न हूँ ॥ स चै पा
या न य न य हूँ ॥ ॐ म धि ध नी व र्जि धि म हा य कि स नः न रु २ मां स व
स त्वा ना थ हूँ २ हूँ २ स्वा हा ॥ ॥ म धु ल स धि क्क मि उँ को थ स नः
किय ॥ व र्जि ल क रु षा ध स्वा हा ॥ ॥ जा कि स्वा न का स्यं म धु

वज्रलक्ष्मिस्तुल्यस्तुल्यकलधनस्तुल्य

पराशरपुराण वज्रपाथ
भक्तानाहा

यैयर्वदीपायनमः॥ पूर्व॥ त्रैलोक्यदीपायनमः॥ द॥ त्रैलोक्यः
त्रैलोक्यजवदीपायनमः॥ पश्चिम॥ त्रैलोक्यत्रैलोक्यनमः॥ उ॥ या
उयदीपायनमः॥ अग्नि॥ त्रैलोक्यदीपायनमः॥ त्रैलोक्यः॥ ला
उयदीपायनमः॥ वायव्य॥ त्रैलोक्यदीपायनमः॥ ॐ सां॥ यगज
त्रैलोक्यनमः॥ पूर्व॥ त्रैलोक्यत्रैलोक्यनमः॥ दक्षिण॥ त्रैलोक्यः

त्रैलोक्यनमः॥ पश्चिम॥ त्रैलोक्यत्रैलोक्यनमः॥ उ॥ यायव्यत्रैलोक्य
नमः॥ त्रैलोक्यत्रैलोक्यनमः॥ त्रैलोक्यः॥ लावकत्रैलोक्यनमः॥ वायव्य
वा सर्वनिष्ठादिहंनमः॥ ॐ सां॥ त्रैलोक्यत्रैलोक्यनमः॥ सूर्यायनमः॥
रुडा॥ ॐ आ॥ १४॥ वरुसत्वरुत्रैलोक्यनमः॥ मध्यमः॥ ॥ थन
पंचायथायका॥ वरुगयत्वाहा॥ वरुयत्वाहा॥ वरुधूयत्वा

॥ वरुने विशखा ॥ वजा जायखा ॥ ॥ जाकि खानकाया ॥
 मधुलसहाय काजिनय ॥ ॥ चहु बलं मय मज्जु सुखं वय
 ॥ हरि नः नाना बलं मा कि धा नय न न दायन ॥ गु वरु वरु ध
 मं त्यः स ध र्य स्व न र्थे व चः नि र्घा न या मि रा व न । सी य द ह न ल
 म धु लं ॥ ॥ थ न जा कि का या अ हा थ हा रु ल या अ वा न

ॐ आ ४ हूं श्री म न व रु म रु न व न व न ध क म ला यः स न्य हा ना व रु
 स न क वा य न मा हूं ॥ न म स्कु उ ३ न मा न म ४ रु क्का हं खान म
 त्या मि धी गु व र्ध ण थं य धि द म ॥ ॥ कि न ना रुं य ॥ य स्य
 ष सा ध कि न र्धः स्तु त्रि ना स्म क त्वः ज ल य रु य नि क न य द ना ध
 का न्ना य म्भं स्तु ता वि ल द म ४ स वि नो स म्भुः स्तु स्म न म स्तु न यं
 य

पश्यन् नदीपथकाम्बुनिप्रधाम्बुः

दिन रूपग य

नरसिमादेविह्यानननूप्यतिदिग

यंभिलसिवननमंरुधायेवप्रप्रंयभाळंददवूर्यकुलितववयुषवनी
ःअयांयतिर्वोयधनाधियोव॥००॥भानरुताधियतिंश्चदवाउरु
चवडाकयितामहध्वदवांसमस्तुविचयचनागमःधवाशु
श्रुगरो००समस्तुःसयशदाजा००सहहृत्संघा००यष्यंवल्लिध
यंवल्लयनंनच॥गदकुहकुहयिवकुचदंः००दंनकर्मसद
लंइगकुसाहायकानारुवकुमाहाननयतिजिविकाधकावाय

हं२२२स्वाहा॥ ॥हानहायक॥ ॥उं तमा जलकुयाय॥न
म०चधुवज्याधयःमहावरुकाशायःदंशकरुववायःअधि
मस्तत्रयलकुयाभगरहसायअसिमकुधुलिःखरखरवा२हितिस्वर
वध्व२हृत्त२दह२विस्फुटय२महाराधयतिदीवितान्धकावायः
हं२२२स्वाहा॥ ॥वल्लिसहावतानिह्यंयजायाय०॥ ॥

थनलिशाअयजायाय४॥

विशः समयः धावाः मरुविय॥

वांरुथागरु॥ क्वदरुवांयानिवाधः चवंवामाहंछमध४॥

सगरुल॥ उं वरुसत्वसमयमनयाययः वरुसत्वत्वनायविष्टद

छाभरुवः सुनायाभरुवजननकाभरुवसर्वसिद्धिभययरुसर्व

॥ धीः सिद्धः ऊरुकाः स्वानद्वयवाने

॥ यधमोहदुयरावः हुरुक

॥

कर्मसत्वमचिरुधियंकनहंरुहुरुहारागवत्सर्वरुथागरुवरुमा

भमववकीरुवमहासमयसत्वाजः॥

॥ क्वेवसर्वसत्वाधुं

सिद्धिदत्वायथानरा४॥ गरुध्वंवरुविषयः यनरागमनायव॥ उं

आ४ हं गरुध्वंवरुलविसर्जन४॥

॥ छुरुदुया४॥ ॥

नत्वाधीवरुवावाहिमेरुमनिदिनधनिःजरुगाववदाहिमासिद्धि

सिद्धिबल यदा एवं काल सधिल सहजात दल यिति प्रहा हानवल
 ग्रहा गानमम वरु यागिधि ॥ नमामि वरु वाचाहि सर्वया य
 पुमाचनिः माल विध्वंसनिद विवहृत्वंदल दामनी ४॥
 श्रीहृक्कमहाविलः सर्वहृहाननयकः सर्वविश्रागुना वरु माल
 जाकिनि काल नायक ॥ ॥ ॐ नमो ह्योषमहाविलः सर्वहृ

हाननायकः सर्वविश्रागुना धाल वागिध्वं नमान्य ह ॥
 श्रीहृक्कमहाविलः ॥
 हानन ॐ नमो वल्लभाय ॐ नमो
 सन

5



0 CMS

5

10

15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ दक्षाय ॥ ॥ चकार ॥ वां ॥ ॐ
 धाङिं उ कृतां ॥ नादिनं ठ धिनं ठ निनां उ नां दिना र ध स निनां र ध
 ठ स स निनां ध ॥ वाकार ॥ मी ॥ ॐ नं ध ग ध २ उ कृतां ॥ नां ॥ ध
 यं यं नं ध ध ध ॥ ध ॥ चकार ॥ वां ॥ न कृ नि कं २ ध ग ठ ध
 ध न ठ ती ना उ न क ध मिं जि गि ठ ॥ ॥ साक ॥ न ह ॥

धनार्जि जिग्गि ४५ धाना जिं ४५ धना धग ॥ कह ॥ नाम ४ नाम नक
मनुं ० ना ना म सुं सुं म ॥ ग र थ ॥ काल व स्य नि ॥ ० रुं द मि
२ रुं द धि रुं द नि तां सी ३ रुं द उ धा ० सीं हं त धाना जिं हं
५ धा धग ३ ॥ द व ला ॥ दं दं ० ५ ना जिं २ गु गु दं धा ० २ ॥ सी ॥
० धा धा २ ख रुं द नि तां ५ नी न धा जिं धा ॥ चा ॥ रुं द धि रुं द नि

नौं उरु कथानुदधीन कतिनां धागधा उरु कथामिं जिगी ४ ॥

गालवध्वपति ॥ ७ मरुधी २ मरुदिनं कतिनां मिं ३ ८

उध ७ मिठधमिठं नं कथामिं ८ उध ग ३ ॥ ॥

गालवध्वपति ॥ मरुधिन किं दी उगा किं दी दन रंग

धा उध धि २ ७ धिनं दं नं ७ दं कथामिं धि धागधमिं ८

७ जिठ जिठ जिगि २ धन उध ॥ ॥ गालमनि ॥

रुह ॥ ॥ दं कथामिं जिठ दं कथामिं जिठ उध धा

धामिठ ॥ नाममदा नुममदा नाममदा नाममदा

मममदा मदिगि २ नामदिगी नाम ॥ नामाथमा

गमिनाकि २ थवग २ नाकि २ थमा जिठ ७ जिठ थ

मा जिठ ७ रुकुठ नाममदिगी नाम ॥ नाम ३ ॥

माहामहो ३३॥ यारिपाजिनिपासं हो कय याकायासि स्यां वि विंयनं म स
 कमावि सयका पडा जपि संक स्या मनरोन सुव विरो ०० व का ज उ के नि
 याविं नि न्य न मान सदा म स न स्य नि ॥ २३॥ सापेहाय स ग म म
 का ०० व वि प दा ०० द नि पा ता ०० र ना क ला ०० द प द वि का ०० त ग म
 गि का ०० प न मा मि री म स

माहामहो ३३॥ यारिपाजिनिपासं हो कय याकायासि स्यां वि विंयनं म स
 कमावि सयका पडा जपि संक स्या मनरोन सुव विरो ०० व का ज उ के नि
 याविं नि न्य न मान सदा म स न स्य नि ॥ २३॥ सापेहाय स ग म म
 का ०० व वि प दा ०० द नि पा ता ०० र ना क ला ०० द प द वि का ०० त ग म
 गि का ०० प न मा मि री म स

सुसदि टोयो — ८
 सादुदु फकि — १
 साद्यो — १x
 चो कु — ५ — १x
 नो कया — टोयो १
 कयस का गठि वरा १
 सो सिं पु — टोयो १
 जोय गो — टोयो १
 उं फर — टोयो १
 ल व — टोयो १
 जो क रा — टोयो १
 जो क स एक सर टोयो १
 म ले — टोयो १
 दा ले गो गो — टोयो १
 दुयो यो टोयो १
 जी रा — प्रभाष टो ८

पिजा — टोयो १
 दोहरा — टोयो १
 से ज पा — टोयो १
 खी बंध — टोयो १
 रु प ओरि . टोयो १
 ज जि हने टोयो १
 हो जी — टोयो १
 रु क भेले — टोयो १
 क स सार मी से १
 ल व ला च — टोयो १
 रु स मी अ पु टोयो १
 प्र ले व सार टोयो १
 व स लो ज व टोयो १
 क स ले गरा टोयो १

जनामसि होओ १
पेसा — होओ १
इसप्रभा —

शरणा — होओ १
साहुदुकरदि — १

रशाद्य — १

वाक्य — होओ १
नक्यो —

कागानी वरा — होओ १
छासि पु — होओ १

जप नी — होओ १

जप नी — होओ १

केसर — होओ १

कस्येकेसा होओ १

मिनी हज्या होओ १

सस्त्री पु — होओ १

रवकेसा — होओ १

जयवाय — होओ १

सुकस्य — होओ १

वानक्य — होओ १

शयेय — होओ १

मिनी — होओ १

सुधा — होओ १

जिको — होओ १

सुकस्य — होओ १

कोला — होओ १

तेजापान — होओ १

उला ~~वा~~यो — होओ १

गोपतिनी — होओ १

